

76/013

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

रु. 1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs 1000

SH
Advocate
Rangpur

AE 353071

उत्तर प्रदेश UT

84
U100
Signed
7/16/13

हेतुनाथ रामनरेश इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी शोध एवं प्रशिक्षण ट्रस्ट

-आस्त विवेक (Instrument of Trust)-

आस्त विवेक आज दिनांक 09.10.2013 को आगमगढ़ में राम प्रताप चन्द पुत्र की हेतुनाथ शोध निवासी ग्राम-काजीपुर, पोस्ट-चिरैयाकोट, विकास ब्लॉक-आगमगढ़, जिला-आगमगढ़ द्वारा घोषित किया गया है।

जिसे आगे न्यासकर्ता/संस्थापक कहा जायेगा क्योंकि न्यासकर्ता/संस्थापक पर रुपये 100000/- (एक लाख रुपये मात्र) की करणी है। न्यासकर्ता/संस्थापक उक्त राशि का अग्रति संतुष्टि प्राप्त करने हेतु इच्छुक है, जो कि संग्रह उद्देश्य एवं विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करेगा क्योंकि यह ट्रस्ट हेतुनाथ रामनरेश इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी शोध एवं प्रशिक्षण ट्रस्ट के नाम से उद्घाटित जायेगा तथा कार्य करेगा जिसे कि आगे संक्षिप्त में ट्रस्ट ही कहा जा सकेगा।

क्योंकि ट्रस्ट का न्यासकर्ता निरंतर ट्रस्टी होता रहित कि आगे ट्रस्ट का अध्यक्ष कहा जा सकेगा। न्यासकर्ता/संस्थापक को यह भी इच्छा है कि वह विभिन्न श्रोतों से धन, उपहार, श्रुण आदि भी स्वीकृत है, जिससे द्वारा ट्रस्ट के कोष समृद्ध एवं साधनों को और बढ़ाए ताकि ट्रस्ट अपने उद्देश्यों में प्राप्ति रूप से सफल हो सके और न्यासकर्ता/संस्थापक ने अपने इच्छा के अनुसार 100000/- (एक लाख) रुपये की नकद राशि ट्रस्ट की प्रदान की है।

और भी क्योंकि वर्तमान में इस ट्रस्ट का कार्यकारी कार्यालय ग्राम-काजीपुर, पोस्ट-चिरैयाकोट, विकास ब्लॉक-आगमगढ़, जिला-आगमगढ़ रहेगा एवं प्रशासनिक कार्यालय ग्राम-तेलुआ, पोस्ट-चिरैयाकोट, जिला-आगमगढ़ होगा। अधिक सुविधाजनक स्थान मिलने पर इस कार्यालय को समायोजित समय-समय पर उचित स्थान पर स्थानान्तरित किया जा सकेगा।



२०६७/०१/०००१। बीजनाथ राममरेवा ६-२०१८ भूत आफ टेक्नीसपी वीर एवं प्रतिदिना—

प्रसन्न नाजिपुर एडो एडो आध्यात्मिक—

अध्यात्म-सम प्रत्यय आदय ए० बीजनाथ एडो नाजिपुर एडो एडो आध्यात्मिक—

ए० ०२/०१/०१३

बीजनाथ

बीजनाथ लक्षण-६६

कलेवरी वसुधारी-आत्मव्याप





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AE 353072

[2]

व्यक्ति न्यासकर्ता/ट्रस्टी/अध्यक्ष द्वारा ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु नियमावली निम्न प्रकार धाराबद्ध घोषित किया जाता है।

वैजनाथ रामनरेश इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी शोध एवं प्रशिक्षण ट्रस्ट
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 के अन्तर्गत कार्यरत ट्रस्ट)

उद्देश्य एवं नियमावली :-

(1) ट्रस्ट के उद्देश्य :- ट्रस्ट निम्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्य करेगा-

1. बिना लैंग भेद किये सबके लिए प्राथमिक पाठशाला, जूनियर हाईस्कूल, इंटरमीडिएट कॉलेज, महाविद्यालय, पुस्तकालयों, वाचनालयों, प्रयोगशालाओं, चिकित्सालयों, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों, अनुसंधान केन्द्रों, छात्रावासों, कम्प्यूटर केन्द्रों, निराश्रितों केन्द्रों, सर्वेक्षण केन्द्रों, सामुदायिक विकास केन्द्रों, पर्यावरण एड्स उत्थान केन्द्रों की स्थापना, नामकरण विकास, सम्बद्ध-आवृत्त, प्रबन्ध संचालन/समाजोत्थान सम्बन्धित समस्त कार्य आदि कर सकता तथा आवश्यकता होने पर विभिन्न परिषदों, विभागों, प्रतिष्ठानों, संस्थाओं शासन आदि से उन्हें मान्य सम्बद्ध-आवृत्त पंजीकृत करा सकता।
2. ग्राम विकास अभिकरण गतिविधियों का संचालन करना।
3. राष्ट्रीय ग्रामोद्योग बोर्ड की योजनाओं का संचालन करना।
4. कृषि कार्य हेतु बंजर भूमि का सुधार एवं कटाव रोककर जल संरक्षा एवं नमी संरक्षण करना।
5. उद्यानीकरण एवं जंगलात का विकास करना।
6. महिला-बाल विकास एवं स्वास्थ्य सहयोग हेतु विविध कार्यक्रम संचालित करना।
7. प्रतियोगात्मक परीक्षाओं की तैयारी हेतु संस्थाओं की स्थापना करना।



2068 क्रि. १००१ आ. नं ६१ ए. ०३/१०/०१३

सीमा, सि. ६

सीमा सिंह लहाना-४६
कलेवटी बानसरी-अजमेर





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

F 797163

[3]

8. कृषि, संगीत सम्बन्धित आदि विषयों की शिक्षा तथा उसके विकास हेतु संस्थान की स्थापना करना।
9. केन्द्र सरकार के सभी विभागों मानव संसाधन, समाजकल्याण, नाबार्ड, कपार्ट, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, समाजकल्याण सलाहकार बोर्ड, महिला कल्याण, नेहरू युवा केन्द्र, खेलकूद युवा कल्याण मंत्रालय, विकास मंत्रालय आदि सभी विभागों के कार्यक्रम का संचालन करना।
10. आई0आई0टी0, आई0टी0आई0, बी0टी0सी0, बी0टेक, पालिटेक्निक, फार्मेसी, नर्स ट्रेनिंग, आपरेशन टेक्निशियन, लैब टेक्निशियन, फिजियोथैरेपी आदि मेडिकल कालेजों एवं इंजीनियरिंग कालेजों की स्थापना एवं संचालन करना।
11. समाज के लोगों के लिए हास्पिटल, नर्सिंग होम, स्वास्थ्य केन्द्र, मेडिकल स्टोर, जनरल स्टोर, किराना की दुकान, फोटो स्टेट, टाइपिंग, कम्पनी, फर्म इत्यादि की व्यवस्था करना।
12. पुस्तकालय, वाचनालय, पत्र-पत्रिकाओं, समाचार पत्रों इत्यादि का प्रकाशन मुद्रण, विक्री एवं मूल्य का निर्धारण करना।
13. अंधे, मूंगे, बहरे, असहाय लोगों के लिए शिक्षा, चिकित्सा, आवास, भोजन इत्यादि की व्यवस्था करना।
14. विभिन्न विषयों एवं पाठ्यक्रमों यथाव्यवहारिक प्रायोगिक कला, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, क्रीड़ा, मार्शल आर्ट, संगीत, तकनीकी, सामाजिक-आधुनिक भाषा, अंग्रेजी, उर्दू, कम्प्यूटर, प्रोफेशनल आदि विषयों का विभिन्न स्तरीय शिक्षा प्रदान करने का प्रबन्ध करना।

જા ૧૧૭૦૭૩૦/ ૭૩૦ જા ૬૭ ૮૦૭૧૧૦૧૩

શ્રીમા શ્રી
શ્રીમા શ્રી લક્ષ્મી-૦૬
કર્મચૂકી કચ્છરી-આજમગા





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

F 797166

[4]

15. विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं में छात्र-छात्राओं को सफल बनाकर स्वावलम्बी बनाने हेतु उनके अध्ययन, अध्यापन, आवास आदि सुविधाओं की व्यवस्था करना।
16. पुस्तकों, साहित्य, पत्रों, पाठ्यक्रमों आदि का सृजन, सम्पादन, प्रकाशन, मुद्रण, वितरण आदि कर सकना।
17. सांस्कृतिक कार्यक्रम, पर्यावरण कार्यक्रम, एड्स कार्यक्रम, अधिवेशन, गोष्ठियों, सम्मेलन, प्रतियोगिताएं, बैठकें, विशेष कक्षाएं, सत्र, प्रोत्साहन कार्यक्रम आदि आयोजित कर सकना।
18. सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, स्क्रीन प्रिंटिंग आदि की शिक्षा एवं व्यवस्था करना।
19. व्यक्ति विशेष एवं अन्य सोसाइटी/ट्रस्ट के द्वारा संचालित विद्यालयों, महाविद्यालयों, मेडिकल कॉलेजों, इंजीनियरिंग कॉलेजों को अपने ट्रस्ट द्वारा संचालित करना एवं उनको इस ट्रस्ट में समायोजित कर सकना।
20. ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों संस्थाओं व्यक्तियों से सहयोग प्राप्त कर सकना अथवा प्रदान कर सकना।
21. विविध सम्पत्ति उपयोगी जानकारी का प्रचार एवं प्रसार कर सकना।
22. आयुर्वेदिक औषधियों का उत्पादन करना एवं उसका प्रचार कर सकना।
23. कृषि उपयोगी कार्य कर सकना एवं उसका प्रचार-प्रसार कर सकना।
24. पर्यावरण को सुधारने हेतु प्रयास कर सकना एवं पर्यावरण सुधार हेतु जानकारी दे सकना एवं सेमिनार कर सकना।
25. एड्स के बारे में जनजागरण करने हेतु प्रचार-प्रसार कर सकना।



न० २०६०१०१००१ स्त० ५० ६१ ए० २१०१०१३

सीमा सिंह

सीमा सिंह ब्राउन्ड-४४
कलहोटी खवहरी-आजमगढ़





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BP 128045

[5]

26. पुस्तक पुस्तिकाएं, पत्र-पत्रिकाएं, समाचार पत्र आदि को प्रकाशित, सम्पादित, वितरित, विक्रित कर सकना।
27. ट्रस्ट द्वारा दी जा रही सेवाओं/वस्तुओं के लिए समुचित शुल्क/मूल्य निर्धारित करना तथा प्राप्त करना।
28. पत्राचार द्वारा अध्यापन/अध्ययन को प्रोत्साहित कर सकना तथा तत्संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं कर सकना।
29. उपभोक्ता अधिकार, पर्यावरण सुधार, ऊसर सुधार जैसे सामाजिक दायित्व के विषयों पर जनचेतना जागृत करने हेतु कार्य कर सकना।
30. धार्मिक स्थलों का निर्माण व जीर्णोद्धार कर सकना।
31. जन कल्याण हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर सकना तथा क्रियान्वयन कर सकना।
32. विभिन्न आयोजन एवं कारणों हेतु छात्रवृत्ति पुरस्कार सहायता एवं वित्तीय सहायता, स्मृति चिह्न आदि प्रदान कर सकना।
33. विभिन्न संस्थाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों/मैडिकल कॉलेज/इंजीनियरिंग कॉलेजों प्रतिष्ठानों के विशेषाधिकार प्राप्त कर सकना और अपने विशेषाधिकार अन्य को प्रदान कर सकना।
34. ट्रस्ट के कोष एवं संपदा में वृद्धि करना, विनियोजन करना तथा उसका ट्रस्ट के उद्देश्यों में प्रयोग करना।
35. ट्रस्ट जन सामान्य के द्वितीय कार्य करेगा। ट्रस्ट यथासंभव अपनी सेवायें/वस्तुएँ लागत मूल्य पर ही देने का प्रयास करेगा। ट्रस्ट द्वारा जनहित में सड़क, खड़्जा, तालाबों का निर्माण मछली पालन, पशुपालन आदि का प्रचार कर सकना।

A handwritten signature in black ink is written above a large, circular purple ink stamp.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BP 128046

[6]

36. ट्रस्ट केवल वित्तीय लाभ के लिए कार्य नहीं करेगा। जन कल्याण की भावना एवं ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्य करेगा।
37. ट्रस्ट अपने समस्त आय एवं लाभ कालान्तर में ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति करने हेतु ही व्यय करेगा।
38. किसानों के उत्थान एवं विकास हेतु पाली क्लिनिक का निर्माण करना।
39. किसानों के उत्थान एवं विकास हेतु नवीन बीजों की जानकारी देना। फल एवं औषधि खेती के विषय में जानकारी देना एवं उत्पादन किये गये माल का आयात व निर्यात करना।

(2) प्रारम्भिक उपबन्ध :-

1. वर्तमान में ट्रस्ट डीड के पंजीकृत के दिनांक से रामप्रताप यादव जो कि न्यासकर्ता एवं इस न्यास विलेख के रचयिता भी हैं। इस ट्रस्ट का मैनेजिंग ट्रस्टी अध्यक्ष सुनिश्चित किया जाता है।
2. यदि कोई अन्य व्यवस्था वर्तमान मैनेजिंग ट्रस्टी अध्यक्ष रामप्रताप यादव द्वारा रजिस्ट्रार के यहाँ रजिस्ट्री कर सुनिश्चित न की जाय तो भी रामप्रताप यादव की मृत्यु के पश्चात् विशाल यादव, विकास यादव, आकाश यादव पुत्रगण रामप्रताप यादव ट्रस्ट के ट्रस्टी होंगे आदि रामप्रताप यादव के लड़के बालिक न हो तो उनकी पत्नी श्रीमती गिरजा यादव इस ट्रस्ट की तब तक मैनेजिंग ट्रस्टी अध्यक्ष होंगी जब तक कि विशाल यादव, विकास यादव एवं आकाश यादव कानून रूप से बालिक न हो जाय।
3. वर्तमान मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष अपने जीवन काल में ही जब चाहे अपना उत्तरदायित्व अपने उत्तरदायित्वों को स्थानान्तरित कर सकते हैं।





संख्या ६७ एच २१०१०१३

सीमा सिंह

सीमा सिंह मधुना-४९
कलेक्ट्रेट कचहरी-आजमगढ़



उपस्थित
श्री. सीमा सिंह
आजमगढ़

प्रमाणित है

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

मैं इस प्रकार की जानकारी दे रहा हूँ कि यह सत्य है और मैं इसका प्रमाण दे रहा हूँ।

यदि यह सत्य नहीं है तो मैं इसका प्रमाण दे रहा हूँ।

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य

आजमगढ़ जिला का आजीवन सदस्य





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BP 128047

[7]

4. यदि श्री रामप्रताप यादव के मृत्यु के समय लड़के नाबालिग होते हैं तो उनकी ओर से उनकी माँ श्रीमती गिरजा मैनेजिंग ट्रस्टी का कार्य तब तक संभालेगी, जब तक कि विशाल यादव, विकास यादव एवं आकाश यादव कानून रूप में बालिक न हो जाय।
- (3) मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष पद का उत्तराधिकारी/हस्तान्तरण :-
 1. मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष का कर्तव्य है कि अपने जीवन काल में अपने उत्तराधिकारी मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष की व्यवस्था कर दें।
 2. मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष अपने जीवनकाल में मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष का पद किसी को प्रदान कर सकता है।
 3. किसी भी व्यक्ति के मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष बनते ही उसे वह सभी अधिकार प्राप्त हो जायेंगे, जो कि इस ट्रस्ट डीड के मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष को प्रदत्त किये गये।
 4. मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष द्वारा अपने उत्तराधिकारी की घोषणा न कर पाने एवं व्यवस्था करने से पूर्व मृत्यु हो जाने की अवस्था में मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष पद पर आसीन व्यक्ति का व्यक्तिगत उत्तराधिकारी ही ट्रस्ट का मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष बनेगा। कोई असुविधा होने पर उत्तराधिकार अधिनियम की व्यवस्था से मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है।
 5. कि मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष को चाहिए कि वह अपने उत्तराधिकारी मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष लिखित रूप से अपने हस्ताक्षर करके व्यक्त कर दे। मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष यह व्यवस्था रजिस्ट्रार के यहाँ रजिस्टर्ड करा के अथवा वसीयत द्वारा भी सुनिश्चित कर सकता है। इस संदर्भ में यह भी स्पष्ट करना है कि कार्यरत मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष द्वारा अपने जीवनकाल के उत्तरार्ध में की गयी वसीयत/इच्छा/व्यवस्था ही अन्तिम रूप से मान्य होगी।



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BP 128048

[8]

6. यह भी स्पष्ट किया जाता है कि यदि कार्यरत मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष अपने जीवन काल में अपना कार्यभार अपने उत्तराधिकारी को वास्तविक रूप से हस्तान्तरित कर देता है तो वह अपने निर्णय पर पुनः विचार नहीं कर सकेगा।
7. कार्यरत मैनेजिंग ट्रस्ट/अध्यक्ष तभी अपने उत्तराधिकारी हस्तान्तरण विषय पर विचार पुनः विचार करने के हेतु स्वतंत्र है जब तक कि वास्तविक रूप से कार्यभार अपने उत्तराधिकारी को न प्रदान कर दे।
8. कार्यरत मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष द्वारा अपने उत्तराधिकारी को दिया गया। कार्यभार हस्तान्तरण समस्त अधिकारों सहित पूर्ण जाना जायेगा।

(4) बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज :-

1. यह कि मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष यदि उचित समझे तो विषयों पर विचार विमर्श करने पर सलाह प्राप्त करने हेतु बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज का गठन कर सकता है, जिसमें अधिकतम ग्यारह सदस्य होंगे।
2. यह कि मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष किसी भी व्यक्ति ट्रस्टी मनोनीत करते समय उसका कार्यकाल स्पष्ट करेगा। ट्रस्टी की कार्यअवधि मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष की इच्छा पर निर्भर करती है तथा मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष किसी भी व्यक्ति का कार्यकाल समाप्त होने के पूर्व ही बिना किसी को कोई कारण बताए ट्रस्टी के पद से हटा सकता है।
3. यह कि मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष जब भी उचित समझे बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक आयोजित कर सकता है, जिसकी अध्यक्षता मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष स्वयं करेगा।

महाराष्ट्र सरकार, मुंबई नं. ६७ एम २१०१०१३

सीमा सिंह

सीमा सिंह जयन्त-४०
महाराष्ट्र सरकार-मुंबई



महाराष्ट्र सरकार
मुंबई
सचिव, मुंबई





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BP 128049

[9]

4. सह कि बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज उन्हीं विषयों पर विचार करेगा तथा सुझाव देगा, जिनको कि मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
5. यह कि बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज द्वारा किये गये किसी भी सुझाव को मानना स्वीकार करना अथवा अस्वीकार करना पूर्णतया मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष के द्वारा लिया गया निर्णय ही मान्य एवं अन्तिम होगा।

(5) अध्यक्ष/मैनेजिंग ट्रस्टी का कार्यकाल एवं सुविधाएँ :-

1. यह कि अध्यक्ष/ट्रस्टी को ट्रस्ट द्वारा विभिन्न सुविधाओं से युक्त कार्यालय एवं वाहन की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। इन सुविधाओं के स्तर को सुनिश्चित करने में मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष का निर्णय ही अन्तिम रूप से मान्य होगा।
2. यह कि ट्रस्टी/अध्यक्ष अपना उत्तरदायित्व वहन करते हुए ट्रस्ट से मानसिक मानदेय/भत्ते आदि पर यदि कोई आयकर लगता है तो ट्रस्टी/अध्यक्ष स्वयं अपनी प्राप्त आय से ही आयकर का भुगतान करेगा। ट्रस्ट इसके लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

(6) कार्यक्षेत्र :-

ट्रस्ट का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारत होगा सामाजिक उत्थान हेतु विश्व के किसी राष्ट्र व व्यक्ति विशेष सहायता एवं राय प्राप्त कर सकता है अथवा सहायता व राय दे सकता है।

(7) मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष का विशेषाधिकार :-

मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष को यह विशेषाधिकार प्राप्त होगा कि वह ट्रस्ट के अन्तर्गत किसी भी अधिकारी/कर्मचारी द्वारा लिये गये निर्णय में हस्तक्षेप कर निरस्त/स्वीकृत/अस्वीकृत संशोधित कर



संस्कृतिकाता संन ५० ८१ एन २१०१०३

सीमा सिंह

सीमा सिंह लखनऊ-४०
कलेक्टरी कार्यालय-आवासीय



सीमा सिंह
कलेक्टरी कार्यालय-आवासीय





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BP 128050

[10]

दे। मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष ट्रस्ट के कार्य-कलापों में किसी भी स्तर पर कोई भी दिशा निर्देश दे सकता है जो सभी सम्बन्धित पक्षों को अन्तिम रूप से मान्य एवं स्वीकार होगा।

(8) सचिव/उपसचिवों की नियुक्ति-

1. यह कि मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष ट्रस्ट के दिन प्रतिदिन के कार्यों को करने एवं देखभाल करने के लिए ट्रस्ट के लिए सचिव एवं आवश्यकता पड़ने पर एक अथवा अधिक उपसचिवों की नियुक्ति कर सकेगा।
2. यह कि सचिव/उपसचिवों के वेतन भत्ते सुविधाएँ कार्य नियम मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष द्वारा निश्चित किया जायेगा।
3. यह कि उक्त सचिव/उपसचिव मैनेजिंग ट्रस्टी के अनुग्रह तक पद प्रसाद पर्यन्त कार्य करेंगे। मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष किसी भी समय बिना कोई कारण बताये उक्त पदों पर कार्यरत व्यक्तियों के विरुद्ध प्रशासनिक/विधिक/अनुशासनात्मक/प्रशासनात्मक कार्यवाही कर सकता है अथवा उक्त पक्षों के अधिकार कर्तव्य किसी अन्य व्यक्ति को हस्तान्तरित/प्रदान कर सकता है।

(9) उपाध्यक्ष की नियुक्ति :-

1. मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष, ट्रस्ट के दिन प्रतिदिन के कार्यों को करने व देखभाल करने के लिए एक उपाध्यक्ष की नियुक्ति एवं आवश्यकता पड़ने पर अधिकतम दो उपाध्यक्षों की नियुक्ति कर सकेगा।
2. यह कि उपाध्यक्ष/उपाध्यक्षों के वेतन भत्ते सुविधाएँ कार्य मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष द्वारा निश्चित किये जायेंगे।

पत्र क्र. ६७ एच ३११०१३

सीमा सिंह

सीमा सिंह साहू-४६
कलेक्टरी कार्यालय-आजमगढ़





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BP 128051

[11]

3. यह कि उपाध्यक्ष/उपाध्यक्षी, मैनेजिंग ट्रस्टी अनुग्रह तक प्रसाद पर्यन्त कार्य करेंगे। मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष किसी भी समय बिना किसी को कोई कारण बताये उक्त पदों पर कार्यरत व्यक्तियों के विरुद्ध प्रशासनिक/अनुशासनिक/प्रशासनात्मक कार्यवाही कर सकता है अथवा उक्त कार्यरत व्यक्ति को उनके पदों से हटा सकता है तथा इन पदों पर नियुक्तियाँ कर सकता है अथवा उक्त पदों के कर्तव्य एवं अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को हस्तान्तरित प्रदान कर सकता है।

(10) अध्यक्ष के अधिकार एवं कर्तव्य :-

यह कि इस ट्रस्ट डीड के अन्तर्गत अध्यक्ष/ट्रस्टी को प्राप्त विभिन्न अधिकार एवं कर्तव्यों के अतिरिक्त अध्यक्ष/ट्रस्टी के निम्न अधिकार एवं कर्तव्य भी होंगे-

- (क) बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक बुलाना एवं उसकी अध्यक्षता करना।
- (ख) ट्रस्ट के समस्त कार्यों का उत्तरदायित्व ढंग से देख-रेख करने के लिए उपाध्यक्ष सचिव उपसचिवों की नियुक्ति करना।
- (ग) इस डीड में उल्लिखित ट्रस्ट के उद्देश्यों एवं नियमावली में संशोधन/परिवर्तन कर सकना जो कि रजिस्ट्रार के यहाँ रजिस्ट्रीकृत होने के दिनांक से मान्य होगा।

(11) उपाध्यक्ष के अधिकार एवं कर्तव्य :-

अध्यक्ष/ट्रस्टी की अनुपस्थिति में अध्यक्ष की लिखित अनुमति से अध्यक्ष द्वारा बताये गये विषय पर विचार-विमर्श हेतु बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक बुलाना एवं अध्यक्षता करना परन्तु उपाध्यक्ष बिना अध्यक्ष की अनुमति के कोई निर्णय नहीं ले सकता।



अवकाशिका संख्या 67 एच 03/11/01013

श्रीमती सिंह

सीमा सिंह लाल-45
कलकत्ता कानून-अध्ययन





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BP 128052

[12]

(12) सचिव के अधिकार एवं कर्तव्य :-

ट्रस्ट के समस्त कार्यों के लिए ट्रस्ट का सचिव अन्तिम रूप से कार्यरत एवं उत्तदायी है।
ट्रस्ट के सचिव के निम्न कर्तव्य एवं अधिकार हैं।

1. ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति करने हेतु सभी उपाय एवं कार्यवाही करना।
2. ट्रस्ट के अन्तर्गत होने वाले सभी कार्य-कलापों एवं दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों पर नियंत्रण रखना।
3. ट्रस्ट के अन्तर्गत संचालित कार्यों हेतु पदाधिकारियों की नियुक्ति पदमुक्त तथा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक/प्रशासनिक कार्यवाही कर सकना।
4. विभिन्न कार्य-कलापों, उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतु कोष्ठों/विभागों/केन्द्रों/संस्थाओं/उप संस्थाओं का गठन कर सकना तथा उनके संयोजकों/निदेशकों पदाधिकारियों आदि की संचालन हेतु आवश्यकता अनुसार नियम/उप नियम बना सकना।
5. ट्रस्ट संख्या को प्राप्त किसी शिकायत की जाँच निर्णायक नियुक्त कर सकना।
6. एक से अधिक विशेष कार्यधिकारी नियुक्त होने की स्थिति में उनका कार्य विभाजन कर सकना।
7. प्रचार/प्रसार/मुद्रण/प्रकाशन/वितरण/विक्रय की सर्वोत्तम व्यवस्था करना।
8. जन सामान्य के कल्याणार्थ विभिन्न आयोजन कर सकना।

(13) उप सचिवों के अधिकार एवं कर्तव्य :-

1. सचिव की अनुपस्थिति में उनके पद के अधिकार एवं कर्तव्य का पालन करना।



2028.01.001 2028.01.001 02/10/13

सीमा सिंह
सीमा सिंह लाउन्ड-48
कलेजरी कबलरी-आजगढ़





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BP 128053

[13]

2. सचिव द्वारा लिखित रूप से प्राधिकृत करने पर उन अधिकारों/कर्तव्यों का पालन करना जो उसे लिखित रूप से प्राप्त हैं।
3. सचिव द्वारा लिखित रूप से कार्यभार/कर्तव्य का पालन करना।

(14) बैंक एकाउन्ट :-

1. ट्रस्ट का खाता किसी भी बैंक में खोला जा सकेगा। मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष स्वयं अथवा उसके द्वारा इस हेतु अधिकृत व्यक्ति मैनेजिंग ट्रस्टी/अध्यक्ष द्वारा दिये गये निर्देशों के अन्तर्गत खाता खोल सकता है अथवा संचालित कर सकता है।
2. ट्रस्ट के अन्तर्गत संचालित अथवा कार्यरत किसी भी विद्यालय/महाविद्यालय/संस्थान/केन्द्र/कार्यक्रम/इकाई/कार्यालय का पृथक नाम से बैंक खाता खोला एवं संचालित किया जा सकता है। इस स्थिति में स्वयं ट्रस्ट के अध्यक्ष द्वारा अधिकृत व्यक्ति द्वारा दिये गये निर्देशों के अन्तर्गत बैंक खाता खोला जा सकता है अथवा संचालित किया जा सकता है।

(15) विधिक कार्यवाही :-

यदि संस्था/ट्रस्ट की तरफ से कोई विधिक कार्यवाही की जाती है या उसके विरुद्ध कोई विधिक कार्यवाही होती है तो सचिव/अध्यक्ष की अनुमति से अधिवक्ता की नियुक्ति एवं विभिन्न न्यायालयों में पैरवी स्वयं या अन्य को अधिकृत कर सकता है।

(16) सम्पत्ति सम्बन्धी :-

1. ट्रस्ट चल/अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में वह सभी अधिकार रखता है जो कि एक नागरिक/व्यक्ति को प्राप्त होते हैं।

2029001001 200 40 67 10 2/10/2013

सौम्य सिंह
सौम्य सिंह एलएच-48
कारेली बखरी-आजमगढ़



बारा पत्र

100,000.00

1,000.00

100

1,100.00

5,000

महाराज श्री राशि

सौम्य सिंह

सकाय व पति सुक

सौम्य

असल बखरी

श्री

राम प्रताप यादव

पुत्र श्री

बैजनाथ यादव

अवकाश अन्य

निवासी अवकाश

सहो काजीपुर पोखरा परगना विरैयाकोट सहो सदर जिला आजमगढ़

अवकाश पत्र

ने यह लेखपत्र दल कार्यालय से

दिनांक 9/10/2013

समय 11:37AM

वर्गे निम्नलिखित हेतु पेश किया।

रजिस्ट्रार/अधिकारी के हस्ताक्षर

विजय कुमार तिवारी
उपनिबंधक सदर

आजमगढ़

9/10/2013

निष्पन्न लेखपत्र बाद मुक्त व स्वतंत्र मजदूर

पहली

श्री राम प्रताप यादव

पुत्र श्री बैजनाथ यादव

पेशा अन्य

निवासी सहो काजीपुर पोखरा परगना विरैयाकोट सहो

सदर जिला आजमगढ़

ने निम्नलिखित स्वीकार किया।

निवासी बखरी श्री कमललाल यादव

पुत्र श्री राकेशचंद्र यादव

पेशा अन्य

निवासी सहो इमानपुर पोखरा परगना सहो गेंदगढ़ जिला

पुत्र श्री बनीज खतव

पुत्र श्री कमललाल यादव

पेशा अन्य

निवासी सहो चकमुदान पोखरा जमीन कटहर सहो निरौदा जिला

ने को

प्रकृता सह माहिती के विधान अंतर्गत निम्नलिखित विवेक से है।

विजय कुमार तिवारी
उपनिबंधक सदर
आजमगढ़

रजिस्ट्रार/अधिकारी के हस्ताक्षर

विजय कुमार तिवारी
उपनिबंधक सदर

आजमगढ़

9/10/2013



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BP 128054

[14]

2. ट्रस्ट की ओर से चल/अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में ट्रस्ट की ओर से कोई निर्णय लेने/लेख/विलेख बनाने हेतु अध्यक्ष किसी व्यक्ति को अधिकृत कर सकता है।
3. ट्रस्ट का अध्यक्ष ट्रस्ट की ओर से चल/अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी लेख विलेख बनाने एवं निर्णय करने हेतु पूर्णतया समर्थ एवं अधिकृत है।
4. ट्रस्ट चल/अचल सम्पत्ति का क्रय-विक्रय कर सकता है, रहन रख सकता है, किराये पर दे सकता है, ले सकता है अथवा दे सकता है।
5. ट्रस्ट किसी से श्रृंग, दान, उपहार, आग्रह, भेट सम्मान पुरस्कार, स्मृति चिन्ह, मानदेय आदि प्राप्त कर सकता और दे सकता है।
6. ट्रस्ट धन को कहीं भी विनियोजित कर सकता है, सुरक्षित कर सकता है, किसी बैंक संस्था, कम्पनी आदि की किसी योजना में धन/सम्पत्ति का विनियोजन कर सकता है।
7. चल/अचल सम्पत्ति, प्रतिभूत, भाड़ा कर, अनुश्रुति, बंधक, भारित गिरवी, विभाजित आदि कर सकता है/ले सकता है/दे सकता है।

(17) विशेष :-

- (क) इस ट्रस्ट के अन्तर्गत संचालित/कार्यरत किसी भी विद्यालय/महाविद्यालय/कार्यक्रम/इकाई/कार्यालय/संस्था उपक्रम के कार्य संचालन हेतु पृथक के नियम/उपनियम बनाये जा सकते हैं परन्तु यदि वह इस डीड ऑफ ट्रस्ट बैजनाथ रामनरेश इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी शोध एवं प्रशिक्षण ट्रस्ट के उद्देश्य एवं नियमावली के किसी भी प्राविधान का अतिक्रमण करते हैं प नियम/उप नियम, अतिक्रमण की सीमा तक शून्य होंगे।



[Handwritten signature]

महोदय। पत्र क्र 67 एच 03/01/03
सीमा सिंह

सीमा सिंह लखनऊ-44
कानूनी कंसल्टी-आजमगढ़



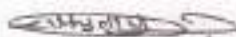
रजिस्ट्रार
आजमगढ़

न्यासी

Registration No.: 76

Year: 2013

Book No.: 4

0101 राम प्रताप रावत 

वैजनाथ रावत

सदर जज की कोठ में विवेचना के लिये सदन द्वारा आजमगढ़

अन्य





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BP 128055

[15]

(ख) अध्यक्ष/ट्रस्टी उचित समझे तो किसी/किन्हीं परिस्थितियों में इस ट्रस्ट डीड के किसी/किन्हीं प्राविधान/प्राविधानों को शिथिल कर सकते हैं तथा प्राविधान/प्राविधानों के होते हुए भी अन्यथा निर्णय ले सकते हैं। इस सम्बन्ध में अध्यक्ष का दिवेक व्यवस्था ही अन्तिम होगी। इस धारा अन्तर्गत अध्यक्ष द्वारा की गई किसी कार्यवाही को कहीं भी किसी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। वैजनाथ रामनरेश इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी शोध एवं प्रशिक्षण ट्रस्ट की उक्त न्यास विलेख एवं उसमें सन्निहित वैजनाथ रामनरेश इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी शोध एवं प्रशिक्षण ट्रस्ट के उद्देश्य एवं नियमावली एतद्वारा अधिनियमित, अनुमोदित, घोषित, स्वीकृत, आत्मार्पित एवं तत्काल से कार्यान्वित की जाती हैं कि उक्त न्यास विलेख को पढ़कर एवं समझकर व्यवहार में लाने हेतु निम्न साक्षियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर कर दिये गये।

साक्षीगण-

1. नाम- रामप्रताप यादव रामप्रताप यादव
पता- श्री ० राम-चन्द्र यादव संस्थापक/अध्यक्ष
श्री ० हसनपुर पो ० शेरकला वैजनाथ रामनरेश इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
र० भेदनेग (जि० अजमेर) शोध एवं प्रशिक्षण ट्रस्ट

2. नाम- मो० जयदीप शर्मा कर्मचारी यादव मसविदाकर्ता-
पता- श्री ० चक्रवर्त, पो ० जयनकरधर
रा० ० निजामपुर
अन० ० जयपुर

दिनांक-

अमरगढ़



सं 81/010101/ एन नं 67 एन 02/101013

सीमा सिंह बालना-40
कलेक्टरी कचहरी-आजमगढ़



आज दिनांक 09/10/2013 को

पृष्ठ सं. 4 शिष्ट सं. 145

पृष्ठ सं. 381 से 410 पर क्रमांक 76

रजिस्ट्रीकृत किया गया।

रजिस्ट्रार अधिकारी के समक्ष

विजय कुमार तिवारी

उपनिबन्धक सदर

आजमगढ़

9/10/2013

